SHRI BHUPESH GUPTA: Sir . . .

MR. CHAIRMAN: No, no. Please sit down.

DR. A. SUBBA RAO: I want a clarification . . .

SHRI BHUPESH GUPTA: On a personal explanation . . .

MR. CHAIRMAN: Next question.

भारतीय सिपाहियों द्वारा चीनियों पर गोली चलाये जाने के संबंध में चीन का नोट

५. **श्री विमलकुमार मन्नालालजी चोरड़िया** : क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) २१ जून, १९६२ के स्टेट्समैन में "ऐन अदर नोट फ्राम चाइना" शीर्षक से प्रकाशित समाचार में लगाये गये इस आरोप में कोई सत्यता है कि भारतीय सिपाहियों ने शांतिप्रिय चीनियों पर गोली चलाई ; और

(ख) सरकार ने स्वदेश और विदेश में इस आरोप का खंडन करने के लिए क्या कार्यवाही की है ?

t [CHINESE NOTE ON INDIAN TROOPS SHOOTING CHINESE

fl. SHRI V. M. CHORDIA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether there is any truth in the allegation contained in the news report published in the *Statesman* of the 21st June, 1962, under the caption "Another Note from China" to the effect that the Indian troops shot at peace-loving Chinese; and

f[ ] English translation.

(b) what steps Government have taken for refuting the allegation in the country and abroad?]

वैदेशिक कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री दिनेश सिंह) : (क) १८ जून, १९६२ के चीनी नोट में जो आरोप लगाया गया है, उसकी पूरी जांच-पड़ताल का हमने आदेश दे दिया है । अभी तक जो रिपोर्ट मिली हैं, उनके अनुसार तथ्य निम्नलिखित हैं :

२८–२९ मई की रात को, ताकसिंग से २ मील पूर्व स्थित लेंगबेंग नामक गांव के एक भारतीय आदिवासी चादंग तामेंग ने असम राइफल्स की ताकसिंग-स्थित छावनी (लाइन्स) से एक राइफल चुराई और सीमा के पार भाग जाने के लिए १० अन्य आदिवासियों का एक दल संगठित किया । इन लोगों को भारतीय प्रदेश में स्थित असफीला गांव (उत्तर २८° २१′ पूर्व ९३° १४′) के नजदीक असम राइफल्स के एक दल ने रोका । चूंकि आदिवासियों ने असम राइफल्स दल पर गोली चलाई, इसलिए जवाब में उस दल ने भी गोली चलाई । नतीजा यह हुआ कि लोमा नामक एक आदिवासी को गोली लगी और वह मर गया । जिस जगह गोली चली थी, वहां से असम राइफल्स दल को चुराई गई राइफल और एक मुंहभरनी (मजिल लोडिंग) बंदूक मिली । आदिवासी दल की एक महिला सदस्य, याकू बाद में अपने दो छोटे बच्चों के साथ ताकसिंग लौट आई । रिपोर्ट मिली है कि आदिवासी दल के बाकी सदस्य लापता हैं ।

लेकिन, चीनी नोट में यह गलत आरोप लगाया गया है कि संबद्ध आदिवासी तिब्बत में अपने गांव को लौट रहे

वे और उन्हें ऐसा करने से रोका गया । यह आरोप भी लगाया गया है कि भारतीय टुकड़ी ने मैकमेहान रेखा को पार किया और इन बेकसूर तिब्बतवासियों का पीछा करके उन पर गोली चलाई । यह मामला उन आदिवासियों का था, जो न्याय की गिरफ्त से भागे हुए थे । यह सारी घटना, यहां तक कि गोली-बारी भी, भारत के क्षेत्र में हुई ।

जहां तक इस चीनी आरोप का संबंध है कि हम भारत में मौजूद तिब्बती शरणार्थियों को तिब्बत में अपने घर वापस लौटने से जबरदस्ती रोक रहे हैं और उन पर अत्याचार कर रहे हैं, असलियत क्या है, इसे सभी अच्छी तरह जानते हैं । हमने तिब्बती शरणार्थियों के साथ उस दया और उदारता का बर्ताव किया है, जो कि बेसहारा लोगों के साथ होना चाहिए । हमने इन लोगों को फिर से बसाने के लिए वह सारी कोशिश की है, जो हमारे देश में संभव थी । जो भी तिब्बती शरणार्थी तिब्बत वापस जाना चाहे, वह ऐसा करने के लिए आजाद है ।

(ख) १८ जून, १९६२ का चीनी नोट अभी तक हमें नहीं मिला है । उसमें चीनियों ने जो भी आरोप लगाये हैं, उनका खंडन हम यथासमय अपने उत्तर में करेंगे ।

tTTHE DEPUTY MINISTER rar THE MINISTRY OP EXTERNAL AFFAIRS (SHRI DINESH SINGH) : (a) We have ordered a full enquiry into the allegation made in the Chinese note of 18th June, 1962. According to reports so far received the facts are as follows:

On the night of 28/29th May, an Indian tribal, Chadang Tameng, of Lengbeng village, 2 m.les east of Taksing, stole a rifle from the Assam Rifles Lines at Taksing and organised an escape party with 10 other tribesman to go across the border. They were intercepted by an Assam Rifles Party near the village of Asafila (N 28°2l' E 93°I4') in the Indian territory. As the tribesmen fired at iho Assam Rifles Party, the latter fired back. As a result a tribal named Loma sustained a rifle shot injury and died. The Assam Rifles Party recovered the stolen rifle as well as a muzzle loading gun from the scena of action. A woman member of the tribal party named Yaku later returned to Taksing with her two minor children. The rest of the tribal party are reported to be missing.

The Chinese note has, however, incorrectly alleged that the tribals concerned were returning to their village in Tibet, and that they were obstructed from doing so. It has also been alleged that Indian troops crossed the McMahon line and pursued and shot at these innocent Tibetan inhabitants. The tribals, in this case, were fugitives from justice. The entire incident, including the exchange of fire, took place on Indian territory.

As to the Chinese allegations that we have been using force to prevent Tibetan refugees in India from returning to their homes in Tibet and that we are committing atrocities on them, the facts are too well known. We have treated Tibetan refugees with the generosity and compassion, due to people who are rendered homeless. We have helped to rehabilitate them with'n the limits of our capacity in this country. Any Tibetan refugee who wishes to return to Tibet is free to do so.

(b) The Chinese note dated I8th June, 1962 has not yet been received. The allegations made in it will b-^ refuted in our reply in due course.]

t[ ] English translation.

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चोरड़िया : क्या माननीय मंत्री महोदय बतायेंगे कि जिस तरह से विदेशों की न्यूज एजेन्सीज ने यह समाचार प्रकाशित किया है और लोगों के मन में गलतफहमी पैदा की, तो क्या उसी के उपलक्ष में, उसी का जवाब देने के लिए हमारी सरकार द्वारा भी, कि यह जो समाचार प्रकाशित हुआ है, यह बिलकुल निराधार है, असत्य है, भ्रामक है, इसके लिये हर एक न्यूज एजेन्सी को बुलाया गया और उस समाचार का खंडन कराया गया ?

श्री दिनेश सिंह : समय समय पर जब ऐसी गलत बातें चीनी नोटों में आती हैं, तो हमारे जो वक्ता हैं, वे यहां के पत्रकारों को उसकी सही खबरें देते रहते हैं।

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चोरड़िया : मैं स्पष्ट रूप से यह पूछना चाहता हूं कि इस मामले में सरकार ने स्वदेश में और विदेश में इस आरोप का खंडन करने के लिये क्या कदम उठाये ? ज्यों ही यह भ्रम फैलाने वाला समाचार प्रकाशित हुआ, त्योंही क्यों नहीं हमारी सरकार ने एक प्रेस कान्फ्रेंस बुलाई और न्यूज एजेन्सीज द्वारा उसका खंडन करते हुए समाचार प्रकाशित करवाया और इस प्रकार वास्तविक स्थिति से सबको अवगत क्यों नहीं कराया ?

श्री जवाहरलाल नेहरू : कुछ अरसा तो लगता ही है दरियाफ्त करने में कि क्या वाकयात हैं । वाकया हिन्दुस्तान की सरहद पर हुआ और वहां से पूछताछ करने में कुछ दिन लगते हैं । तो ज्यादा देर नहीं हुई, मेरे खयाल से ।

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चोरड़िया : अब इसका खंडन किया गया है या किया जाने वाला है, क्या स्थिति है ?

श्री जवाहरलाल नेहरू : अब यहां सवाल का जवाब देना, यही काफी खंडन हुआ है ।

ACCIDENTS TO BOEING 707 AIRCRAFT

6. SHRI K. V. RAGHUNATHA REDDY: Will the Minister of TRANSPORT AND COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that 5 disastrous air accidents involving Boeing 707 aircraft have taken place during the past few months;

(b) whether the Air India is also using the same type of aircraft;

(c) whether Government have initiated any technical enquiry into the possibility of any structural defect in Boeing 707 aircraft; and

(d) whether the report of enquiry into previous Boeing crashes has been received by Government?

THE DEPUTY MINISTER m THE MINISTRY OF TRANSPORT AND COMMUNICATIONS (SHRI AHMED MOHIUDDIN) : (a) to (d) I place a statement giving the requisite information on the Table of the Saba.

STATEMENT

There have been Sve recent fatal accidents to Boeing 707 aircraft, as follows: —

(1) On 15th February, 1961, a Sabena Airline 707 crashed into a field approximately 2.5 miles from the end of the runway at Brussels Airport, after a missed approach following a non-stop flight from New York;

(2) On 1st March, 1962, an American Airlines 707 crashed immediately after take off from New York International Air-port;

(3) On 22nd May, 1962, a Continental Airjine 707 crashed in Missouri in U.SA.;